

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय सशक्त दल विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग

देहरादून

दिनांक 7 अगस्त 2004

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-2005 में युवा कल्याण परिषद को अनुदान हेतु प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-57/युवक0/2004-10 युवा0/2003 दिनांक 25 जून, 2004, एवं आपके पत्रांक-435/दो-910/2004-2005 दिनांक 2 अगस्त, 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय युवा कल्याण विभाग के अन्तर्गत युवा कल्याण परिषद के व्ययों हेतु अनुदान मद में वित्तीय वर्ष 2004-2005 में व्यवस्थित रु० 15.00 लाख की धनराशि में से लेखानुदान द्वारा स्वीकृत धनराशि रु० 3.33 लाख को घटाते हुये अवशेष धनराशि रु० 11.67 लाख (रुपये ग्यारह लाख सड़सठ हजार मात्र) की धनराशि को आहरित कर व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि इसका आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

2-यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिये वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है।

3-किसी भी मद में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल भंडार कय नियम तथा मितव्ययता सम्बन्धी समय समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी०जी०एस०एण्ड०डी० की दरों पर किया जायेगा। और ये दरें न होने की स्थिति में टेडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

4-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-00-आयोजनेत्तर-001-निदेशन तथा प्रशासन-05-युवा कल्याण परिषद को अनुदान-00-20-सहायक अनुदान/अशदान/राजसहायता मानक मदों के नामों से खाला जायेगा।

5-स्वीकृत की जा रही धनराशि के व्यय के उपरान्त दिनांक 31-03-2005 तक इसका मदवाद विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

6-व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया गया है।

7-'उपर्युक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-533/वित्त अनुभाग-2/2004 दिनांक 06 अगस्त, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी की जा रहें हैं।

भवदीय

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- (1)/VI-1/2004-37 युवा10/2001 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3-श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4-वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 5-एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 6-निजि सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 7-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(अमिता प्रकाश)
अपर सचिव।